Deshbandhu Journal of Social Sciences, Volume 1, Issue. 2, 125-139, December 2023

पश्चिमी हिन्द महासागर: भारत और पूर्वी अफ़्रीका के बीच सामुद्रिक सहयोग

आकाश वर्मा[1]

[1]Localization Editor for Meta (Facebook, Instagram), Senior Hindi Linguist @ Audio-Bridge

सारांश

इस लेख में पश्चिमी हिन्द महासागर स्थित पूर्वी अफ्रीकी देशों के साथ भारत के सामुद्रिक सहयोग पर चर्चा की गई है। हिन्द महासागर क्षेत्र में भारत के समुद्री संचार के रास्ते दुनिया में सबसे पुराने माने जाते हैं। हड़प्पा सभ्यता के दौरान गुजरात के लोथल में दुनिया की पहली गोदी (डॉक) का निर्माण किया गया था। प्राचीन काल में भारतीय जहाज पश्चिम में अफ्रीका और अरब के सुदूर तटों तक यात्रा किया करते थे। वहीं, चौथी शताब्दी ईसा पूर्व के साहित्य में भी भारत और पूर्वी अफ्रीका के बीच ऐतिहासिक महासागरीय जुड़ाव बिंदुओं का जिक्र है। भारत और पूर्वी अफ्रीका के मध्य प्राचीन और बहुआयामी विकास-साझेदारी समानता, मैत्री एवं भाईचारे पर आधारित है, जो 21वीं सदी में सभी आयामों में दक्षिण-दक्षिण सहयोग का प्रतिनिधित्व करती है। इसने भारत को अफ्रीकी देशों के साथ साझी वृद्धि, सुरक्षा और पारस्परिक लाभ के लिए सामुद्रिक सुरक्षा सहयोग की ओर प्रेरित किया है। भारतीय नौसेना पूर्वी अफ्रीका के विशाल समुद्री किनारों की सुरक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण भागीदार बनकर उभरी है। लेख में सहयोग पर चर्चा के लिए 4 महत्वपूर्ण बिंदुओं: सामुद्रिक कूटनीति एवं सुरक्षा; नीली अर्थव्यवस्था; हाइड्रोकार्बन एवं खनिज संसाधन, और तटीय पोत परिवहन, बंदरगाह विकास एवं समुद्री संभार-तंत्र (लॉजिस्टिक्स) को शामिल किया गया है। साथ ही, इसमें महासागरीय सहयोग के उभरते क्षेत्रों पर भी प्रकाश डाला गया है।

मूलशब्द : पश्चिमी हिन्द महासागर , पूर्वी अफ्रीकी देश , भारत ,सामुद्रिक सहयोग

1. परिचय

तीन करोड़ वर्ग किलोमीटर में फैला पश्चिमी हिन्द महासागर क्षेत्र एक सुसंगत जैव-भौगोलिक, जलवायु और सामाजिक-राजनीतिक क्षेत्र है। इसमें 60 लाख वर्ग किलोमीटर का विशेष आर्थिक क्षेत्र और 15,000 किलोमीटर से अधिक लंबी संयुक्त तट रेखा है। पश्चिमी हिन्द महासागर क्षेत्र में 18 देश शामिल हैं - कोमोरोस, जिबूती, भारत, ईरान, केन्या, मेडागास्कर, मालदीव, मॉरीशस, मोज़ाम्बिक, ओमान, पाकिस्तान, सेशेल्स, सोमालिया, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका, तंज़ानिया, संयुक्त अरब अमीरात और यमन। इसके अलावा, यहाँ कई छोटे-छोटे द्वीपीय देश भी मौजूद हैं। ऊर्जा सुरक्षा के लिए भारत की मजबूरियाँ और विदेशी

संसाधनों पर उसकी निर्भरता भारत को इस क्षेत्र के करीब लाती हैं। इस क्षेत्र में सुरक्षित समुद्री वातावरण भारत और पूर्वी अफ्रीकी देशों, दोनों की राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ-साथ विशिष्ट आर्थिक क्षेत्रों में देशों के हितों की रक्षा करने और व्यापार एवं शिपिंग के रास्तों की सुरक्षा करने के लिए भी महत्वपूर्ण है। यह भारत की उभरती हुई समुद्री रणनीति में अहम योगदान देते हैं। पिछले 2000 सालों से यहां मौजूद बंदरगाह द्विपक्षीय व्यापार में संलग्न रहे हैं। वैदिक ग्रंथों में भी भारतीय तटों से पश्चिम में अफ्रीका और अरब के सुदूर बंदरगाहों तक समुद्री यात्राओं का जिक्र मिलता है। चौथी शताब्दी ईसा पूर्व में लिखे गए एरिथ्रियन सागर के यात्रा विवरण में भारत और पूर्वी अफ्रीका के बीच ऐतिहासिक सामुद्रिक संचार बिंदुओं और उनके मध्य व्यापार पर विस्तृत चर्चा की गई है। भारत और पूर्वी अफ्रीका के मध्य सदियों से चले आ रहे इन संबंधों ने फोकस अफ्रीका, टीम-9 पहल, भारतीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से गति प्राप्त की है। हिन्द महासागर क्षेत्र में अधिक से अधिक सहयोग बढ़ाने के लिए हिन्द महासागर परिधि संघ की स्थापना और इसे मजबूत बनाने में भारत ने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। साथ ही, भारत-अफ्रीका मंच शिखर सम्मेलनों ने महाद्वीपीय, क्षेत्रीय और द्विपक्षीय स्तरों पर सहयोग के लिए संस्थागत ढांचा उपलब्ध कराया है। भारत-अफ्रीका मंच शिखर सम्मेलन भारत और अफ्रीकी देशों के बीच राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक संबंधों में मजबूती लाने के उद्देश्य से साल 2008 में लॉन्च किया गया था। इसका पहला शिखर सम्मेलन अप्रैल 2008 में नई दिल्ली में हुआ, जिसमें भारत और 14 अफ्रीकी देशों के नेता एक साथ आए। इसके बाद, दूसरा शिखर सम्मेलन 2011 में अदीस अबाबा, तीसरा 2015 में नई दिल्ली में आयोजित हुए। शिखर सम्मेलन के माध्यम से, भारत समुद्री सुरक्षा, व्यापार और आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देते हुए मॉरीशस, सेशेल्स और मेडागास्कर जैसे तटीय राज्यों के साथ संबंधों को मजबूत करना चाहता है। यह पहल भारत की समुद्री कूटनीति में योगदान देती है और क्षेत्रीय स्थिरता एवं विकास के लिए महत्वपूर्ण साझेदारियों को सुरक्षित करते हुए पश्चिमी हिन्द महासागर में इस मंच की रणनीतिक उपस्थिति को मजबूत करती है।

पश्चिमी हिन्द महासागर ने हाल के कुछ सालों में दुनिया का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। यहां समुद्री खाद्य पदार्थों व उत्पादों से लेकर, हाइड्रोकार्बन व खनिज संसाधनों के बड़े भंडारों का अनुमान है। साथ ही, यह माल एवं ईंधन के व्यापार के लिए एक प्रमुख पारगमन मार्ग है। पश्चिमी हिन्द महासागर स्थित हॉर्मुज जल संधि और बॉब-अल मंदेब वैश्विक पेट्रोलियम व्यापार के लिहाज से सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक अवरोध-बिंदु हैं। हर रोज लगभग 24 मिलियन बैरल कच्चा तेल और अन्य पेट्रोलियम उत्पाद इस रास्ते से गुजरते हैं। हिन्द महासागर के केंद्र में मौजूद होने के कारण भारत के लिए तेल के समुद्री संचार रास्तों, व्यापार एवं उसकी सुरक्षा महत्वपूर्ण है। यहां समुद्री लुटेरे हथियारों, बहुमूल्य समुद्री उत्पादों और नशीले पदार्थों के अवैध व्यापार में लिप्त हैं। दूसरी ओर, बड़ी संख्या में चीनी बेड़े यहां गैर कानूनी रूप से मछली पकड़ने चले आते हैं। 2015 में आयोजित तीसरे भारत-अफ्रीका मंच शिखर सम्मेलन के दौरान इन महासागरीय चुनौतियों से निपटने के लिए सहमति जताई गई थी। जिसके अंतर्गत जारी किए गए 'दिल्ली घोषणा पत्र 2015' में समुद्री संसाधनों के सतत् उपयोग और विकास की दिशा में घनिष्ठ सहयोग पर जोर दिया गया था। भारत अफ्रीका मंच शिखर सम्मेलन की अगली बैठक से पहले, इन क्षेत्रों में वर्तमान सहयोग एवं संभावनाओं वाले अन्य पहलुओं की पहचान की जानी आवश्यक है।

2. सामुद्रिक कूटनीति एवं सुरक्षा

आज विश्व की शीर्ष अर्थव्यवस्थाओं के लड़खड़ाने और भारत सहित पूर्वी अफ्रीका की विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के उभरने के साथ वैश्विक वृद्धि का केंद्र बिंदु तेजी के साथ बदला है। इसने पश्चिमी हिन्द महासागर किनारे वाले देशों में परस्पर सहयोग को और गहरा बनाने में मदद की है। 'दिल्ली घोषणा पत्र 2015' में भारत और अफ्रीकी देशों के मध्य ऐतिहासिक संबंधों को स्वीकार करते हुए कहा गया है कि दोनों पक्षों में पुरानी और बहुआयामी विकास-साझेदारी समानता, मैत्री एवं भाईचारे के सिद्धांतों पर आधारित है, यह अपने सभी आयामों में दक्षिण-दक्षिण सहयोग का प्रतिनिधित्व करती है, जिसमें समुद्री सहयोग भी शामिल है। साथ ही, इसमें नशीली दवाओं और मानव तस्करी व अन्य प्रकार के अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराधों जैसे कि बंधक बनाना, समुद्री डकैती से लड़ने पर जोर दिया गया है।

वहीं, पश्चिमी हिन्द महासागर में सहयोग को और गहरा बनाने एवं विस्तृत सामुद्रिक सुरक्षा संबंधों के निर्माण के लिए भारत विदेश नीति के विभिन्न उपायों पर कार्य कर रहा है। इसी कड़ी में 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार बनने के बाद से सरकार के सामुद्रिक कूटनीतिक प्रयासों में और भी तेजी देखी गई है। इसके तहत भारत ने 2018 में सोमालिया और जिबूती में अपने राजनयिक मिशन शुरू किए। भारत के शीर्ष नेतृत्व के अफ्रीकी दौरों में भी वृद्धि हुई। प्रधानमंत्री मोदी ने मार्च 2015 में सेशेल्स और मॉरीशस, फिर 2016 में मोजाम्बिक, तंजानिया और केन्या का दौरा किया। राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने अक्टूबर 2017 में अपनी पहली राजकीय यात्रा के लिए हॉर्न ऑफ अफ्रीका क्षेत्र में स्थित जिबूती को चुना। जिबूती भारत को मध्य अफ्रीका में सीधे पहुंच देता है। बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य के किनारे बसा जिबूती एशिया को यूरोप से जोड़ने वाली स्वेज नहर का प्रवेश द्वार भी है। यह दुनिया के सबसे व्यस्त पोत परिवहन मार्गों में से एक है। इन समुद्री संचार मार्गों की सुरक्षा के लिए भारत द्विपक्षीय रूप से जिबूती के साथ सुरक्षा सहयोग में शामिल है। इस क्षेत्र में शांति एवं स्थिरता बनाए रखने के लिए 2019 में भारत ने जिबूती के राष्ट्रपति इस्माइल उमर को पद्म विभूषण से सम्मानित किया था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जुलाई 2018 में अपनी अफ्रीका यात्रा के दौरान भारत-अफ्रीकी रिश्तों को और मजबूत बनाने के लिए 10 मार्गदर्शक सिद्धांतों का उल्लेख किया। जिसमें उन्होंने दुनियाभर के देशों से अफ्रीका के पूर्वी तटों और पश्चिमी हिन्द महासागर में प्रतिस्पर्धा की बजाय सहयोग देने का आह्वान किया। इस क्षेत्र में सुरक्षा एक बड़ा मुद्दा है, जिसमें सहयोग के लिए भागीदारों की आवश्यकता है। भारत-अफ्रीका मंच की तीसरी शिखर बैठक के दौरान दोनों पक्षों ने समुद्री डकैती, मानव एवं हथियारों की अवैध तस्करी जैसे समुद्री अपराधों के विरुद्ध लड़ाई के लिए प्रतिबद्धता दर्शाई एवं इस संबंध में और गहराई के साथ काम करने पर सहमति जताई। हालांकि, यहां सोमालिया के समुद्री लुटेरे सक्रिय हैं। क्षेत्र में मादक पदार्थों के अवैध व्यापार ने आतंकवाद को प्रोत्साहन दिया है। अल-शबाब जैसे आतंकवादी समूहों के लिए सोमाली चारकोल अवैध कमाई का मुख्य जरिया है, जिससे सालाना एक करोड़ अमेरिकी डॉलर तक की कमाई की जाती है। भारत समुद्री डकैती, आतंकवाद और ड्रग्स व हथियारों की तस्करी जैसे वैश्विक मुद्दों पर अंतरराष्ट्रीय मानदंडों को बनाए रखने और उन्हें लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

केन्या, तंजानिया को रक्षा सहायता प्रदान करने के साथ, अफ्रीका की दूसरी सबसे लंबी तट रेखा वाले देश मोजाम्बिक की समुद्री सीमाओं को भी भारत सुरक्षित करता है। इस क्षेत्र में स्थित कोमोरोस, मेयॉट, रीयूनियन, मॉरीशस और सेशेल्स जैसे छोटे द्वीपीय देश भी सामरिक नीति के लिहाज से भारत के लिए बहुत मायने रखते हैं। यह न केवल सामुद्रिक कूटनीति में भारत का पलड़ा भारी करते हैं, बल्कि वैश्विक शक्तियों के बीच संतुलन में भी इनका महत्वपूर्ण योगदान है। भारत इन द्वीपीय देशों के साथ परस्पर संबंधों को बढ़ा रहा है। जनवरी 2018 में भारत और सेशेल्स के बीच एसम्पसन द्वीप पर हवाई पट्टी और जेटी के निर्माण के लिए एक समझौता हुआ। सेशेल्स के साथ इस समझौते को भारत हिन्द महासागर में व्यापक रणनीतिक हितों के अनुरूप मानता है। इस द्वीप पर सैन्य सुविधाएं भारत को रणनीतिक सुगमता देती हैं, जिससे मोज़ाम्बिक चैनल और हिन्द महासागर के विशेष आर्थिक क्षेत्र में समुद्री डकैती और अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए निगरानी की सुविधा मिलती है। इसके अलावा, यहाँ सैन्य अड्डा भारत की समुद्री क्षमताओं को बढ़ाता है। विशेष तौर पर एक ऐसे समय में जब इस परियोजना को चीन हासिल करना चाहता था। ऐसे में यह भारत के लिए एक बड़ी सफलता रही। भारत ने हिन्द महासागर क्षेत्र में पोत परिवहन को सुरक्षित बनाने के लिए सेशेल्स को 2018 में एक डोर्नियर विमान उपहार में दिया था। वहीं, उसके अनन्य आर्थिक क्षेत्र की निगरानी और सुरक्षा के लिए नौसैनिक गश्ती पोत आईएनएस तारमुगली और अटैक क्राफ्ट आइएनएस तरासा भी भेंट किया। समुद्री डोमेन जागरूकता क्षमताओं में सुधार करने के प्रयासों के अंतर्गत दिसंबर 2018 में दिल्ली के पास गुरुग्राम में एक सूचना संलयन केंद्र की शुरुआत की गई। यह हिन्द महासागर में पोत परिवहन यातायात की निगरानी के साथ समुद्री घटनाओं के संबंध में प्रतिक्रियाओं का समन्वय करता है।

3. तटीय पोत परिवहन, बंदरगाह विकास एवं समुद्री संभार-तंत्र (लॉजिस्टिक्स)

पश्चिमी हिन्द महासागर माल और ईंधन के व्यापार के लिए एक प्रमुख पारगमन मार्ग है। भारत के कुल व्यापार का 90 प्रतिशत समुद्री रास्ते से ही होता है। आने वाले दशकों में यहां वाणिज्यिक पोत परिवहन (शिपिंग) का और भी विस्तार होगा, खासकर तब जब भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है। देश की बढ़ती व्यापार संबंधी आवश्यकताएं पूरी करने के क्रम में भी बंदरगाहों के बुनियादी ढांचा विकास और क्षमता विस्तार पर ध्यान केंद्रित किया गया है। ऐसे में, अंतरराष्ट्रीय संचार के समुद्री रास्तों की सुरक्षा के साथ संभार-तंत्र और बंदरगाहों का विकास एवं माल की ढुलाई के लिए इनका सड़क या रेल से जुड़ाव भी आवश्यक है। इसके लिए 'सागरमाला' परियोजना की शुरुआत की गई। इस परियोजना के चार मुख्य घटक हैं: पहला, पोर्ट आधुनिकीकरण और नए बंदरगाहों का विकास; दूसरा, बंदरगाहों के मध्य संचार एवं संयोजकता बढ़ाना; तीसरा, बंदरगाहों से जुड़े औद्योगिक समूह तथा तटीय आर्थिक क्षेत्रों का विकास; और चौथा, मत्स्य विकास, तटीय पर्यटन के माध्यम से तटीय समुदायों के सतत् विकास को बढ़ावा देना। भारत ने अपने जमीनी व महासागरीय पड़ोसियों तक माल एवं लोगों की सुगम आवाजाही और बेहतर संयोजन के लिए 'सागरमाला' परियोजना को हिन्द महासागर के सभी समुद्री पड़ोसियों तक विस्तार दिया है।

भारत दोहरे उपयोग वाली लॉजिस्टिक सुविधाओं के साथ मॉरीशस के अगालेगा द्वीप के विकास में शामिल है। 2015 में प्रधानमंत्री की यात्रा के दौरान मॉरीशस के इस बाहरी द्वीप पर माल ढुलाई सुविधाओं को बेहतर बनाने, समुद्री एवं वायु संपर्क के लिए बुनियादी ढांचे की स्थापना व उन्नयन के लिए सहमति बनी। 2017 में बेइरा बंदरगाह में एक नया कोयला टर्मिनल विकसित करने के लिए भारत की एस्सार पोर्ट्स और मोजाम्बिक सरकार के बीच 30 साल के लिए एक समझौता हुआ था।

4. नीली अर्थव्यवस्था

भविष्य के अफ्रीका को इंगित करती अफ्रीकी संघ की योजना 'एजेंडा 2063' के लक्ष्य और प्राथमिकता क्षेत्र में नीली अर्थव्यवस्था को महत्व दिया गया है। अफ्रीका की एकीकृत समुद्री रणनीति 2050 का उद्देश्य भी महासागर किनारे वाले अफ्रीकी देशों में नीली अर्थव्यवस्था की सुरक्षा और विकास को बढ़ाना है। भारत स्थाई रूप से नीली अर्थव्यवस्था के विकास और उसको बढ़ावा देने वाली अफ्रीकी योजनाओं एवं रणनीतियों को साकार करने, विशेष रूप से समुद्री संसाधनों की खोज, समुद्री जैव प्रौद्योगिकी, संसाधन सुरक्षा, मत्स्य पालन, जैव पर्यटन और समुद्री गतिविधियों पर आधारित समुद्री एक्वैरियम, तटीय पार्क और समुद्री आरक्षित क्षेत्र में अफ्रीकी देशों की सहायता कर सकता है। भारत-अफ्रीका मंच की तीसरी शिखर बैठक के दौरान भी अफ्रीकी रणनीतियों के उपयुक्त कार्यान्वयन के लिए सहयोग देने पर भारत ने अपनी सहमति जताई। 2015 में प्रधानमंत्री की मॉरीशस यात्रा के दौरान समुद्री संसाधनों के क्षेत्र में उत्खनन व क्षमता विकास, मत्स्य, हरित पर्यटन, महासमुद्रीय प्रौद्योगिकी के अनुसंधान एवं विकास, विशेषज्ञों के आदान-प्रदान पर सहमति बनी। 2015 में सेशेल्स के राष्ट्रपति भारत यात्रा के दौरान नीली अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में सहयोग करने पर सहमत हुए। जुलाई 2016 में प्रधानमंत्री की केन्या यात्रा के दौरान समुद्री संसाधनों के खनन और उनके सतत् प्रबंधन पर समझौता हुआ। मार्च, 2018 में राष्ट्रपति की मेडागास्कर यात्रा के दौरान, दोनों देश नीली अर्थव्यवस्था में सहयोग करने पर सहमत हुए। नीली अर्थव्यवस्था में सहयोग खाद्य सुरक्षा के लिए भी आवश्यक है। अनुमान लगाया जा रहा है कि 2027 तक भारत चीन को पछाड़कर दुनिया का सबसे बड़ा जनसंख्या वाला देश बन जाएगा। ऐसे में भविष्य की आबादी के लिए खाद्य सुरक्षा एक बड़ी चुनौती होगी। खासकर तब, जब यहां चीनी बेड़े बड़ी मात्रा में अवैध रूप से मछली पकड़ने के काम में लिप्त हैं। पश्चिमी हिन्द महासागर में मछलियों और समुद्री खाद्य उत्पादों की एक बड़ी संपदा मौजूद हैं। ऐसे में, भारत को अपने समुद्री पड़ोसियों के साथ मिलकर इनके सतत् उपयोग पर काम करना होगा और अवैध एवं अनियंत्रित मछली पकड़ने पर रोकने लगाने के लिए कड़े प्रयास करने होंगे। बढ़ती समुद्री भोजन की मांग को पूरा करने के लिए मछली पालन के अलावा समुद्री जीवों की खेती और उनके उत्पादन पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है। साथ ही इस क्षेत्र में अफ्रीकी देशों के साथ मिलकर हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षणों को भी बढ़ाने पर जोर देना होगा। हाइड्रोग्राफिक जानकारी मत्स्य पालन के अलावा समुद्री नेविगेशन, समुद्री निर्माण, ड्रेजिंग, तेल की खोज, अपतटीय ड्रिलिंग आदि में भी सहायक है।

5. हाइड्रोकार्बन एवं खनिज संसाधन

भारतीय अर्थव्यवस्था हाइड्रोकार्बन ऊर्जा आयात पर बहुत अधिक निर्भर है। इस संदर्भ में, ऊर्जा संसाधनों से समृद्ध पूर्वी अफ्रीका भारत के लिए बहुत महत्व रखता है। पिछले कुछ दशकों में पूर्वी अफ्रीका में हाइड्रोकार्बन संसाधनों के भंडार के अनुमान बढ़े हैं। तंजानिया, मोजाम्बिक, केन्या और मेडागास्कर में प्राकृतिक गैस और तेल के बड़े भंडारों का अनुमान लगाया गया है। एक अनुमान के मुताबिक, तंजानिया के माफिया डीप बेसिन में 57 ट्रिलियन क्यूबिक फीट गैस मौजूद है। वहीं, मोजाम्बिक के अपतटीय क्षेत्र रोवुमा बेसिन में 100 ट्रिलियन क्यूबिक फीट से लेकर 279 ट्रिलियन क्यूबिक फीट तक प्राकृतिक गैस होने की संभावना है। इस लिहाज से अगर देखा जाए, तो मोजाम्बिक रूस, ईरान और कतर के बाद दुनिया का चौथा सबसे बड़ा गैस भंडार हो सकता है। भारत फिलहाल अपनी प्राकृतिक गैस जरूरतों का 90 प्रतिशत कतर से प्राप्त करता है, ऐसे में उसके लिए मोजाम्बिक प्राकृतिक गैस का एक बड़ा स्रोत बन सकता है। भारत की तेल और गैस कंपनियों ने यहां कोयला, लौह अयस्क और अन्य खनिजों में काफी निवेश किया है। भारत ने मोजाम्बिक की रोवुमा गैसफील्ड में 6 बिलियन डॉलर का निवेश किया है। एक अनुमान के मुताबिक, मोजाम्बिक में 23 बिलियन टन से अधिक कोयले का भंडार मौजूद है। जब भारत का कोयला आयात लगातार बढ़ रहा है, तब मोजाम्बिक भारतीय उद्योगों की जरुरतों के लिए कोयले का निर्यातक बन सकता है। मध्य हिन्द महासागर बेसिन में 3800 लाख मीट्रिक टन पॉलिमैटालिक नोड्यूल मैंगनीज और कोबाल्ट जैसे खनिजों के रूप में उपलब्ध हैं। यह खनिज भारत में उपलब्ध नहीं हैं, इसलिए भारत के लिए इनका महत्व ज्यादा है। एक ओर मोजाम्बिक के किनारे टाइटेनियम और जिरकोनियम से भरे पड़े हैं, वहीं केन्या के तटों में बड़ी मात्रा में मैंगनीज, तांबा, निकिल, कोबाल्ट और मिथेन हाईड्रेट्स का अनुमान है। भारत महासागर के भीतर 6 कि।मी। गहराई में रेंगने वाली मशीनों एवं पनडुब्बियों जैसी प्रौद्योगिकियों के विकास पर कार्य कर रहा है। यदि यह तकनीकें कारगर रहती हैं, तो इन्हें पूर्वी अफ्रीकी देशों में उपयोग में लाया जा सकता है।

6. सहयोग के अभरते क्षेत्र

पश्चिमी हिन्द महासागर में भारत और पूर्वी अफ्रीकी देशों के बीच महासागरीय साझेदारी की संभावनाओं वाले कई क्षेत्र उभरकर सामने आते हैं। यह महासागर तैराकी, नौका विहार, सर्फिंग, रीफ वॉकिंग, व्हेल एक्वेरियम, स्कूबा डाइविंग जैसे समुद्री पर्यटन और मनोरंजन के कई अवसर उपलबध कराता है। मनोरंजन की पहलों में क्रूज़ यात्रा और लाइटहाउस पर्यटन को विशेष तौर पर प्राथमिकता दी जाती है। यह बड़ी मात्रा में रोजगार के अवसर भी उपलब्ध कराते हैं। इसमें होटल, रेस्तरां, आवासीय गतिविधियां, कृषि और मछली पालन जैसी गतिविधियां शामिल हैं। विकसित होते बंदरगाह, संचार और उनके मध्य बेहतर संयोजकता ने इस क्षेत्र में क्रूज़ पर्यटन के नए द्वार खोले हैं। भारत के साथ, कोमोरोस, मेयॉट, मेडागास्कर, सेशेल्स, मॉरीशस, रीयूनियन, तंजानिया और केन्या में क्रूज़ पर्यटन की असीम संभावनाएं मौजूद हैं। पोत परिवहन मंत्रालय के अनुसार, 2042-43 तक भारत में क्रूज़ पर आनंद लेने वाले पर्यटकों की संख्या 45 लाख तक पहुंचने की संभावना है।

मुंबई बंदरगाह पर इन संभावनाओं के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर का आधुनिक क्रूज़ टर्मिनल विकसित किया जा रहा है।

पश्चिमी हिन्द महासागर के समुद्री पर्यावास ने भी भारत और पूर्वी अफ्रीकी देशों के मध्य साझेदारी के लिए एक मंच प्रदान किया है। इस विशाल महासागर में मौजूद सूक्ष्म जीवों, शैवालों और स्पंजों ने दुनियाभर के शोधकर्ताओं और वैज्ञानिकों का ध्यान अपनी ओर खींचा है। समुद्री प्रजातियों का उपयोग कर कैंसर, अस्थमा, अल्जाइमर जैसी घातक बीमारियों के लिए दवाओं का निर्माण किया जा रहा है। भारतीय संस्थान भी समुद्री उत्पादों से जीवन रक्षक दवाओं की खोज पर काम कर रहे हैं। समुद्री जैव प्रौद्योगिकी विभिन्न क्षेत्रों में छोटे एवं मध्यम उद्योगों के साथ बड़े संगठनों को पर्याप्त व्यावसायिक अवसर उपलब्ध कराती है। आर्थिक विकास और स्थिरता के लिए पहली शर्त के रूप में ऊर्जा साझेदारी भारत-अफ्रीका आर्थिक सहभागिता की प्रमुख चालक है। जैसा कि अफ्रीका, ऊर्जा संसाधनों के वैश्विक मानचित्र में एक नए ऊर्जा स्त्रोत के तौर पर उभरा है, ऐसे में इसने भारत और पूर्वी अफ्रीका के बीच ऊर्जा क्षेत्र में व्यापार और निवेश साझेदारी की संभावनाओं को और गहरा किया है। महासागर में ज्वारीय ऊर्जा, अपतटीय पवन एवं सौर ऊर्जा, समुद्री प्रवाह और ताप के रूप में बड़ी मात्रा में समुद्री ऊर्जा मौजूद है। लगातार बढ़ती ऊर्जा की मांग की पूर्ति के लिए महासागर की ऊर्जा का उपयोग भी आवश्यक है। ऊर्जा साझेदारी में आर्थिक विकास को बढ़ाने, कार्बन फुटप्रिंट में कमी, समुद्री शिक्षा एवं अनुसंधान व रोजगार पैदा करने की क्षमता है।

6. निष्कर्ष

महासागरों में तेजी से जमा होते प्लास्टिक कचरे को कम करने के उद्देश्य से भारत ने वर्ष 2017 में 193 अन्य देशों के साथ मिलकर केन्या में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण सभा में एक प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किए थे। हालांकि, कचरे के निदान के लिए अभी तक कोई विशिष्ट लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जा सके हैं। यह हानिकारक तत्व समुद्री भोजन के माध्यम से हमारी खाद्य शृंखला का हिस्सा बन रहे हैं। इस मामले त्वरित कार्रवाई के लिए बड़े समुद्री किनारो वाले पूर्वी अफ्रीकी देशों के साथ भारत को पहल करनी होगी। हिन्द महासागर परिधि संघ के सदस्य देशों के कानून अवैध, गैर-पंजीकृत और अनियमित मछली पकड़ने पर प्रभावी रोक लगा पाने में असमर्थ हैं। ऐसे में, पश्चिमी हिन्द महासागर में संघ के सदस्य देशों के बीच कोई सहमति न होने के कारण, भारत को इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभानी चाहिए। भारत को ऐसे मुद्दों को हल करने और समन्वित कानून निर्माण के लिए अधिक सक्रियता दिखानी होगी। महासागर में वैकल्पिक शक्ति निर्माण, क्षेत्रीय सुरक्षा एवं संपर्क बनाने के लिए हिन्द महासागर नौसैनिक संगोष्ठी में पश्चिमी हिन्द महासागर स्थित महत्वपूर्ण देशों सोमालिया, जिबूती, मॉरीशस, कोमोरोस, मेयॉट और रीयूनियन को भी शामिल किया जाना चाहिए।

सामुद्रिक सुरक्षा के साथ आर्थिक विकास के लिए अमेरिका, भारत, ऑस्ट्रेलिया एवं जापान का चतुष्कोणीय गठबंधन यहां बढ़ते चीन के प्रभाव को संतुलित कर सकता है। हिन्द महासागर क्षेत्र में भारत का सहयोग सभी देशों के लिए शांति, सुरक्षा और प्रगति के सिद्धांतों पर आधारित है, जैसा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मॉरीशस यात्रा के दौरान सामुद्रिक आशियाने में सभी देशों के लिए सहयोग बढ़ाने और अपनी क्षमताओं का इस्तेमाल करने पर आधारित दृष्टिकोण का जिक्र किया था। प्रधानमंत्री का कहना है कि "हम हिन्द महासागर में ऐसा भविष्य चाहते हैं जो सभी के लिए सुरक्षा और प्रगति यानी 'सागर' के नाम पर खरा उतरे।"।

संदर्भ

1. "The Sagarmala Post," Ministry of Shipping, Government of India, August-September 2018, http://sagarmala.gov.in/sites/default/files/Newsletter_18-Oct-18.pdf
2. "India and the Emerging Geopolitics of the Indian Ocean Region," Young Bhartiya Foundation, 13 August 2019, www.youngbhartiya.com/article/india-and-the-emerging-geopolitics-of-the-indian-ocean-region-ior
3. "REVIVING THE WESTERN INDIAN OCEAN ECONOMY", Actions for a Sustainable Future, WWF, January 2017, https://sustainabledevelopment.un.org/content/documents/13692WWF2.pdf
4. Pouwels Randall L, "Eastern Africa and the Indian Ocean to 1800: Reviewing Relations in Historical Perspective", The International Journal of African Historical Studies, Vol। 35, No। 2/3 (2002), pp। 385-425, https://www.jstor.org/stable/3097619?seq=1#page_scan_tab_contents
5. "The Sagarmala Post," Ministry of Shipping, Government of India, August-September 2018, http://sagarmala.gov.in/sites/default/files/Newsletter18-Oct-18.pdf
6. "India and the Emerging Geopolitics of the Indian Ocean Region," Young Bhartiya Foundation, 13 August 2019, www.youngbhartiya.com/article/india-and-the-emerging-geopolitics-of-the-indian-ocean-region-ior
7. Dr। Nivedita Ray, Dr। Sandipani Dash, "India's Africa Policy: Continuity, Change and Challenges," Indian Council of World Affairs, Policy Brief, 02 July 2014, https://icwa.in/pdfs/PB/2014/PBIndiaAfricaPolicy.pdf

8. "Three Important Oil Trade Chokepoints are Located Around The Arabian Peninsula," U| S| Energy Information Administration, 4 August 2017, https://www.eia.gov/todayinenergy/detail.php?id=32352

9. "World Oil Transit Chokepoints," U.S. Energy Information Administration, 25 July 2017, https://www.eia.gov/beta/international/regions-topics.php?RegionTopicID=WOTC

10. "DELHI DECLARATION 2015," THIRD INDIA-AFRICA FORUM SUMMIT, 29 OCTOBER 2015, http://www.mea.gov.in/Uploads/PublicationDocs/25980_declaration.pdf

11. पुष्प समीर, "दक्षिण-दक्षिण सहयोग के लिए भारत की तलाश", PIB, Government of India, http://www.pib.nic.in/newsite/hindifeature.aspx?relid=11308

12. "DELHI DECLARATION 2015," THIRD INDIA-AFRICA FORUM SUMMIT, 29 OCTOBER 2015, http://www.mea.gov.in/Uploads/PublicationDocs/25980_declaration.pdf

13. "India and the Emerging Geopolitics of the Indian Ocean Region," Young Bhartiya Foundation, 13 August 2019, www.youngbhartiya.com/article/india-and-the-emerging-geopolitics-of-the-indian-ocean-region-ior

14. "Cabinet approves Opening of Missions in Africa to implement commitments of India-Africa Forum Summit," PIB, 21 March 2018, https://pib.gov.in/newsite/PrintRelease|aspx?relid=177821

15. "Details of Foreign/Domestic Visits," PM India, PMO https://www.pmindia.gov.in/en/details-of-foreigndomestic-visits/

16. "Why are there so many military bases in Djibouti", BBC, 16 June 2015, https://www.bbc.com/news/world-africa-33115502

17. "Why awarding Padma Vibhushan to Djibouti President matters to India", The Economic Times, 26 January 2019, https://economictimes.indiatimes.com/news/politics-and-nation/why-awarding-padma-vibhushan-to-djibouti-president-matters-to-india/articleshow/67702436.cms

18. "Narendra Modi's 10 Guiding Principles for India Africa Ties," Livemint, 25 July 2018, https://www.livemint.com/Politics/nYzBEWMFuwAdAgxeb2BBKM/Narendra-Modis-10-guiding-principles-for-India-Africa-ties.html

19. "Building Bridges of Friendship in the Indian Ocean: African Littorals on Indian Navy's Radar," ORF, 05 July 2019, https://www.orfonline.org/expert-speak/building-bridges-of-friendship-in-the-indian-ocean-african-littorals-on-indian-navys-radar-52762/

20. "DELHI DECLARATION 2015," THIRD INDIA-AFRICA FORUM SUMMIT, 29 OCTOBER 2015, http://www.mea.gov.in/Uploads/PublicationDocs/25980_declaration.pdf

21. "Global Maritime Crime Programme - Annual Report 2018", The United Nations Office on Drugs and Crime, January 2019, https://www.unodc.org/documents/Maritime_crime/20190131_-_GMCP_Annual_Report_2018.pdf

22. "Building Bridges of Friendship in the Indian Ocean: African Littorals on Indian Navy's Radar," ORF, 05 July 2019, https://www.orfonline.org/expert-speak/building-bridges-of-friendship-in-the-indian-ocean-african-littorals-on-indian-navys-radar-52762/

23. "India-Mozambique Relations: Towards Fresh Opportunities", The Institute for Defence Studies and Analyses, October-December 2014, https://idsa.in/africatrends/india-mozambique-relations_rberi_1214

24. "India's Seychelles military base plan hits choppy waters", Al Jazeera, 22 Mar 2018, https://www.aljazeera.com/news/2018/03/india-seychelles-military-base-plan-hits-choppy-waters-180321150926691.html

25. "भारत ने सेशेल्स को 1 और डोर्नियर विमान भेंट किया", The Quint Hindi, 26 June 2018 https://hindi.thequint.com/hot-news/bhaart-ne-seshels-ko-1-aur-ddorniyr-vimaan-bhentt-kiyaa

26. "Maritime diplomacy: Indian Navy hands over patrol craft INS Tarmugli to Seychelles", India Today, 7 March 2005 www.indiatoday.in/magazine/indiascope/story/20050307-indian-navy-hands-over-patrol-craft-ins-tarmugli-to-seychelles-788267-2005-03-07

27. "INS Tarasa Becomes 'PS Constant' as Indo-Seychelles Bridges become Stronger", PIB, 8 November 2014, http://pib.nic.in/newsite/PrintRelease.aspx?relid=111188

28. "Raksha Mantri Inaugurates Information Fusion Centre - Indian Ocean Region (IFC-IOR)," Press Information Bureau, Ministry of Defence, Government of India, 22 December 2018, https://pib.gov.in/newsite/PrintRelease.aspx?relid=186757

29. Mukundan Harish, "A Comparative Study of Maritime Operations in India", Massachusetts Institute of Technology, February 2007, http://web.mit.edu/harishm/www/papers/13bsmthesis.pdf

30. "India will overtake the US economy by 2030", Quartz India, 9 January 2019, https://qz.com/india/1518708/indias-gdp-to-overtake-uss-by-2030-says-standard-chartered/

31. "Sagarmala Concept & Objectives," Ministry of Shipping, Government of India, http://sagarmala.gov.in/about-sagarmala/vision-objectives

32. "Sagarmala: Concept and implementation towards Blue Revolution", PIB, Government of India, 25 March 2015, http://pib.nic.in/newsite/PrintRelease.aspx?relid=117691

33. "List of Agreements/MoUs signed between India and Mauritius during the visit of the Prime Minister to Mauritius", Ministry of External Affairs, Government of India, 11 March 2015, https://mea.gov.in/bilateral-documents.htm?dtl/24900/list+of+agreementsmous+signed+between+india+and+mauritius+during+the+visit+of+the+prime+minister+to+mauritius+march+11+2015

34. "Essar arm to build coal terminal at Beira Port", The Hindu, 04 August 2017, https://www.thehindu.com/business/Industry/essar-arm-to-build-coal-terminal-at-beira-port/article19429560.ece

35. "Goals & Priority Areas of Agenda 2063", African Union, Agenda 2063: The Africa we want, https://au.int/agenda2063/goals

36. "2050 AFRICA’S INTEGRATED MARITIME STRATEGY", AU, Version 1|0, 2012 https://wedocs.unep.org/bitstream/handle/20.500.11822/11151/2050_aims_srategy.pdf?sequence=1&isAllowed=y

37. Building Bridges of Friendship in the Indian Ocean: African Littorals on Indian Navy’s Radar," ORF, 05 July 2019, https://www.orfonline.org/expert-speak/building-bridges-of-friendship-in-the-indian-ocean-african-littorals-on-indian-navys-radar-52762/

38. "DELHI DECLARATION 2015," THIRD INDIA-AFRICA FORUM SUMMIT, 29 OCTOBER 2015, http://www.mea.gov.in/Uploads/PublicationDocs/25980_declaration.pdf

39. "List of Agreements/MoUs signed between India and Mauritius during the visit of the Prime Minister to Mauritius", Ministry of External Affairs, Government of India, 11 March 2015, https://mea.gov.in/bilateral-documents.htm?dtl/24900/list+of+agreementsmous+signed+between+india+and+mauritius+during+the+visit+of+the+prime+minister+to+mauritius+march+11+2015

40. "List of Agreements/MOUs signed during the visit of President of Republic of Seychelles to India", Ministry of External Affairs, Government of India, 26 August 2015, https://mea.gov.in/bilateral-documents.htm?dtl/25764/list+of+agreementsmous+signed+during+the+visit+of+president+of+republic+of+seychelles+to+india

41. "Joint Communique between India and Kenya during the visit of Prime Minister to Kenya", Ministry of External Affairs, Government of India, 11 July 2016, https://mea.gov.in/bilateral-documents.htm?dtl/27011/joint+communique+between+india+and+kenya+during+the+visit+of+prime+minister+to+kenya+july+11+2016

42. "India-Madagascar Joint Statement during the State Visit of President to Madagascar", Ministry of External Affairs, Government of India, 14 March 2018, https://www.mea.gov.in/bilateral-documents.htm?dtl/29666/IndiaMadagascar_Joint_Statement_during_the_State_Visit_of_President_to_Madagascar_March_1415_2018

43. "India to overtake China as the world's most populous country: UN", CNN, 20 June 2019, https://edition.cnn.com/2019/06/19/health/india-china-world-population-intl-hnk/index.html

44. "Chinese fishing fleet a security issue for Australia", LOWY INSTITUTE, 07 November 2018, https://www.lowyinstitute.org/the-interpreter/chinese-fishing-fleet-security-issue-australia

45. WWF, "REVIVING THE WESTERN INDIAN OCEAN ECONOMY", Actions for a Sustainable Future, January 2017, https://sustainabledevelopment.un.org/content/documents/13692WWF2.pdf

46. Mohammad Hanif Hamden and Ami Hassan Md Din 2018 IOP Conf. Ser.: Earth Environ. Sci. 169 012019 https://iopscience.iop.org/article/10.1088/1755-1315/169/1/012019

47. "Emerging oil and gas developments in East Africa", U|S| Energy Information Administration, 23 May 2013,
https://www.eia.gov/beta/international/regions-topics.php?RegionTopicID=EEAE

48. Amanam Usua U, "Natural Gas in East Africa: Domestic and Regional Use", Stanford University, CA, 9 & 10 May 2017,
https://ngi.stanford.edu/sites/default/files/NGI_EAfrica_LitReview%284-17%29.pdf

49. "India-Mozambique Relations: Towards Fresh Opportunities", The Institute for Defence Studies and Analyses, October-December 2014,
https://idsa.in/africatrends/india-mozambique-relations_rberi_1214

50. "India's 21st century African partner: Why Mozambique was Modi's first stop," Hindustan Times, 07 July 2016,
https://www.hindustantimes.com/india-news/india-s-21st-century-african-partner-why-mozambique-was-modi-s-first-stop/story-jPw0z4yQQbnWdddIOkvRAM.html

51. Ibid

52. "Essar arm to build coal terminal at Beira Port", The Hindu, 04 August 2017,
https://www.thehindu.com/business/Industry/essar-arm-to-build-coal-terminal-at-beira-port/article19429560.ece

53. "India's coal import rises 15% to 24 MT in May", THEWEEK, 16 June 2019
https://www.theweek.in/news/biz-tech/2019/06/16/indias-coal-import-rises-15-to-24-mt-in-may.html

54. "Can India mine deep-sea resources without disturbing the Indian Ocean seabed ecosystem", Mongabay, 9 February 2018,
https://india.mongabay.com/2018/02/can-india-mine-deep-sea-resources-without-disturbing-the-indian-ocean-seabed-ecosystem/

55. "Mining at deep sea", Down To Earth, 08 July 2015,
https://www.downtoearth.org.in/coverage/mining/mining-at-deep-sea-46049

56. "Indian Ocean Rising: Maritime Security and Policy Challenges", Stimson, Washington, DC, JULY 2012, https://www.stimson.org/sites/default/files/file-attachments/IOR_chapter7_1.pdf

57. Murton Bramley J, "A global review of non-living resources on the extended continental shelf",
Southampton Oceanography Centre, Rev. Bras. Geof. vol.18 no.3 São Paulo 2000,
http://www.scielo.br/scielo.php?script=sci_arttext&pid=S0102-261X2000000300007

58. "India plans deep dive for seabed minerals", The Hindu, 10 December 2018,
www.thehindu.com/sci-tech/science/india-plans-deep-dive-for-seabed-minerals/article25711278.ece

59. "Blue Economy Vision 2025," Knowledge Paper, FICCI Task Force, April 2017,
http://ficci.in/spdocument/20896/Blue-Economy-Vision-2025.pdf

60. "Action Plan for cruise tourism in India", Financial Express, 11 July 2018,
www.financialexpress.com/lifestyle/travel-tourism/action-plan-for-cruise-tourism-in-india/1240272/

61. "The Sagarmala Post," Volume-1, Ministry of Shipping, Government of India, January 2017,
http://sagarmala.gov.in/sites/default/files/final%20Sagarmala%20Newsletter%20%20%282nd%20Jan%202017%29.pdf

62. "Regional State of Coast Report: Western Indian Ocean", United Nations Environment Programme; Nairobi Convention Secretariat, 2015,
http://wedocs.unep.org/bitstream/handle/20.500.11822/9668/-Regional_State_of_the_Coast_Report_Western_Indian_OceanRSOCR_Final.pdf.pdf?sequence=2&isAllowed=y

63. "Blue Economy Vision 2025," Knowledge Paper, FICCI Task Force, April 2017,
http://ficci.in/spdocument/20896/Blue-Economy-Vision-2025.pdf

64. "Exploring the ocean for new drug developments: Marine pharmacology", National Center for Biotechnology Information, U.S. National Library of Medicine, 25 July 2015,
https://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/PMC4832911/

65. Dr. Nivedita Ray, Dr. Sandipani Dash, "India's Africa Policy: Continuity, Change and Challenges," Indian Council of World Affairs, Policy Brief, 02 July 2014, https://icwa.in/pdfs/PB/2014/PBIndiaAfricaPolicy.pdf

66. "Ocean Energy", Ministry of New & Renewable Energy, GoI, https://mnre.gov.in/ocean-energy

67. "Blue Economy: Focus on Fisheries in India and the Indian Ocean Region," Young Bhartiya Foundation, 23 April 2019, www.youngbhartiya.com/article/blue-economy-focus-on-fisheries-in-india-and-the-indian-ocean-region

68. "Making Sagarmala Environment Friendly," ORF, 29 May 2018, https://www.orfonline.org/expert-speak/41182-making-sagarmala-environment-friendly/

69. "Blue Economy: Focus on Fisheries in India and the Indian Ocean Region," Young Bhartiya Foundation, 23 April 2019, www.youngbhartiya.com/article/blue-economy-focus-on-fisheries-in-india-and-the-indian-ocean-region

70. "India and the Emerging Geopolitics of the Indian Ocean Region," Young Bhartiya Foundation, 13 August 2019, www.youngbhartiya.com/article/india-and-the-emerging-geopolitics-of-the-indian-ocean-region-ior

71. "Text of the PM's remarks on the Commissioning of Coast Ship Barracuda", PMIndia, 12 March 2015, https://www.pmindia.gov.in/en/news_updates/text-of-the-pms-remarks-on-the-commissioning-of-coast-ship-barracuda/